डोमेस्टिक और एक्सपोर्ट डिमांड घटने से 5% गिरा चीनी का भाव

मिल लेवल पर चीनी का दाम सरकार की तरफ से तय किए गए मिनिमम सेलिंग प्राइस ₹29 प्रति किलो पर आ गया

- **इस हफ्ते** चीनी की मांग कम रहने से महाराष्ट्र में एस-30 ग्रेड चीनी का दाम घटकर ₹29 प्रति किलो रह गया है
- **कोल्हापुर में** 29 अक्टूबर को ₹30.72 प्रति किलो रहा चीनी का भाव 28 नवंबर तक 5.5 पर्सेंट गिरावट के साथ ₹29 प्रति किलो पर आ गया
- **दिल्ली के** बाजार में एनसीडीईएक्स का स्पॉट शुगर प्राइस पिछले एक महीने में 4 पर्सेंट से भी ज्यादा गिरा है
- **इस्मा ने** चीनी उत्पादन का अनुमान करीब 11.26 पर्सेंट घटाकर 315 लाख टन कर दिया है

[जयश्री भोसले | पुणे]

घरेलू और विदेशी बाजार में कम मांग होने के चलते पिछले एक महीने में मिल लेवल पर चीनी के दाम में 4-5 पर्सेंट की कमी आई है। चीनी का दाम घटकर सरकार की तरफ से तय ₹29 प्रति किलो के मिनिमम सेलिंग प्राइस यानी MSP पर आ गया है।

बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अशोक जैन कहते हैं, 'इस हफ्ते चीनी की मांग कम रहने से महाराष्ट्र में एस-30 ग्रेड चीनी का दाम घटकर ₹29 प्रति किलो रह गया है। दिवाली से पहले फेस्टिव सीजन की डिमांड के चलते चीनी के दाम चढ़े हुए थे।' दिल्ली के बाजार में एनसीडीईएक्स का स्पॉट शुगर प्राइस पिछले एक महीने में 4 पर्सेंट से भी ज्यादा गिरा है। कोल्हापुर में 29 अक्टूबर को ₹30.72 प्रति किलो रहा चीनी का भाव 28 नवंबर तक 5.5 पर्सेंट गिरावट के साथ ₹29 प्रति किलो पर आ गया।

ट्रेडर्स का कहना है कि सर्दियां आने पर आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक्स की डिमांड घट जाती है। चीनी के दाम में गिरावट इसी वजह से आ रही है। चीनी के दाम कम होने की दूसरी तरफ विदेशी बाजारों में इसकी कम मांग होना भी है। जैन ने कहा, '2018-19 के लिए 50 लाख टन शुगर के एक्सपोर्ट का टारगेट रखा गया है। खासतौर पर रिफाइंड शुगर के एक्सपोर्ट में सुस्ती चल रही है। चीनी मिलों को एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए अब रॉ शुगर पर फोकस करना होगा।'

2018-19 में चीनी का सरप्लस प्रॉडक्शन होने की संभावना बन रही है, हालांकि इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने चीनी उत्पादन का अनुमान करीब 11.26 पर्सेंट घटाकर 315 लाख टन कर दिया है।महाराष्ट्र के इंडिपेंडेंट शुगर एक्सपर्ट विजय औताडे कहते हैं, 'महाराष्ट्र की शुगर मिलें कई वजहों से एक्सपोर्ट डील नहीं कर रही हैं। जैसे उनकी चीनी लेंडर्स के पास गिरवी हैं और शुगर प्रॉडक्शन में गिरावट आने के आसार बन रहे हैं।

इंडस्ट्री को फिलहाल खासतौर पर चीन, थाइलैंड, मलेशिया जैसे देशों के साथ गवर्मेंट-टु-गवर्मेंट शुगर एक्सपोर्ट डील होने का इंतजार है।

इंडियन शुगर इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि चीन और अमेरिका के बीच टैरिफ वॉर छिड़े होने के चलते चीन का प्रतिनिधिमंडल भारत से शुगर इंपोर्ट की संभावनाएं तलाशने के लिए अगले महीने यहां आ सकता है।

Economic Times

29/11/2018

✓